Shri Bhagwat Jha Azad: May I know whether, of whatever magnitude the attack may be, the locusts are from outside or they are breeding in our country?

Dr. P. S. Deshmukh: As I said, the attack this year is very much smaller than it used to be. It has been widespread and it has gone to many States. Partially both.

Shri Kasliwal: In view of the fact that the invasion of locusts is practically an yearly feature, may I know whether the Government are working on any long term plan to check this menace?

Dr. P. S. Deshmukh: Yes. In collaboration with the Food and Agricultural Organisation of the United Nations, we are working on a fairly long term plan.

Shri Kasliwal: May I know what are the main features of the long term plan?

Dr. P. S. Deshmukh: Assistance of aerial operations, control of the formation of locusts in Arabia and other countries and effective steps when they actually breed in India.

Shri Raghavaiah: In view of the fact that these locust invasions come from outside, that is from some other countries in the Commonwealth, has any initiative been taken by our Government to call a meeting of those countries from which the locusts come and cause harm in this country?

Dr. P. S. Deshmukh: I do not know if it has been taken up at the Commonwealth level. But, Pakistan is a member of the Commonwealth and we have liaision with Pakistan so far as control of locusts is concerned.

Public Health Bill

*1074. **Dr. Satyawadi:** Will the Minister of **Health** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 2521 on the 25th April, 1955 and state:

(a) whether the committee appointed to draft the Model Public Health Bill has since completed its work and submitted its report to Government; and

(b) if so, the further action taken in the matter?

The Deputy Minister of Health (Shrimati Chandrasekhar): (a) Yes.

(b) The report is under consideration of the Government of India.

डा० सत्यवादी : क्या मैं जान सकता हूं कि कितने दिनों तक इस पर आखिरी फैसला किया जायेगा ?

स्वास्थ्य मंत्री (राजकुमारी अमृत कौर): रिपोर्ट अभी छप रही है और फिर इसके बारे में स्टेट्स के साथ सलाह मशविरा किया जायेगा और फिर जो तय होगा उसके मुताबिक काम किया जायेगा ।

Shri B. S. Murthy: May I know what the main features of the recommendations made by this Committee, are?

Rajkumari Amrit Kaur: The report, when it is published, will be laid on the Table of the House and hon. Members will have a chance to read it.

केन्द्रीय ज्योतिषीय वेधशाला

*१०७५. **श्री भक्त दर्शन :** क्या संचार मंत्री २८ फरवरी, १९५५ को दिये गये तारांकित प्रश्न संख्या ३०५ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर भारत में एक केन्द्रीय ज्योतिषीय वेधशाला को स्थापित करने के लिये किन किन स्थानों की छान बीन की जा रही है या की जा चुकी है ; और

(ख) उन के बारे में विशेषज्ञों ने क्या विचार प्रकट किये हैं ?

संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) उज्जैन, इन्दौर और उदयपुर क्षेत्र के निकट के स्थान, दौलताबाद—औरंगाबाद क्षेत्र और मध्य प्रदेश में सोनहट—अमरकंटक क्षेत्र ।

(ख) सन् १९४९—५१ के दो वर्षों में इन्दौर विमान क्षेत्र पर वायुमण्डल की पारदर्शता (Transparancy) के अवलोकन (Observation) किये गये । इन अवलोकनों से मालूम हुआ कि इन्दौर क्षेत्र उपयुक्त नहीं है । दिसम्बर, १९५३ से उज्जैन के जीवाजी अवलोकनालय (Observatory) में वर्शता की अवस्था के अवलोकन किये जा रहे हैं और ये दो वर्षों तक जारी रहेंगे । केन्द्रीय ज्योतिषीय अवलोकनालय को स्थापित करने

के लिये इकट्ठी की हुई सामग्री की उसकी उपर्युक्तता मालूम करने की दृष्टि से बारीकी से जांच की जायेगी ।

उदयपुर के पास के क्षेत्रों में, दौलताबाद–औरंगाबाद क्षेत्र में, लगभग दो वर्षों के लिये दर्शनता की अवस्था के अवलोकन प्रारम्भ करने का प्रस्ताव सक्रिय रूप से विचाराधीन है । मध्य प्रदेश में सोनहट—अमरकंटक के पास के क्षेत्र में दर्शता की अवस्था के अवलोकन करने के लिये स्थान चुनने के हेतु शीघ्र ही निरीक्षण का प्रबन्ध किया जायेगा।

श्री भक्त दर्शन : क्या मैं जान सकता हूं कि कब से यह प्रश्न सरकार के विचाराधीन है और कब तक इस के बारे में अन्तिम निर्णय किये जाने की आशा की जा सकती है तथा निर्णय करते वक्त किन किन तथ्यों और सुविधाओं को ध्यान में रखा जायेगा ?

श्री राज बहादुर : ज्योतिषीय वेधशाला की सलाहकार समिति ने सर्व प्रथम अप्रैल, १९४९ में यह सुझाव हमारे सामने रखा था कि उज्जैन में, जो कि प्राचीन काल में भारत का ग्रीनविच के नाम से प्रसिद्ध था, फिर से एक आबजरवेटरी स्थापित की जाय । उसके उपरान्त इस विषय में काफी अध्ययन किया जा रहा है । भिन्न-भिन्न जगहों पर हालत का हाल में ही सलाहकार समिति ने एक ७४ इंच वाले टेलिस्कोप के स्थापना की सिफारिश की गई है ।

श्री भक्त दर्शन : क्या यह सत्य है कि कुछ वर्ष पहले इस नाम पर भी विचार किया गया था कि बद्रीनाथ में एक ऊंचे स्थान पर एक हाई आल्टीच्यूड आबजरवेटरी बनाई जाय ? क्या मैं जान सकता हूं कि अब उस विषय में क्या विचार किया जा रहा है ?

श्री राज बहादुर : बद्रीनाथ में तो ज्यादा से ज्यादा एक छोटी आबजरवेटरी बनाने का ही विचार हो सकता है, वहां पर बड़ी आबजरवेटरी नहीं बन सकती है, क्योंकि ओबजरवेटरी स्थापित करने के लिये यह देखा जाता है कि साल में अधिक से अधिक कितने दिन उस स्थान पर ऐसे होते हैं कि जब बादल नहीं होते । अगर बादल होते हैं तो हम आसमान को नहीं देख सकते । और ऐसा स्थान (Observatory) के लिये उपयुक्त नहीं माना जा सकता ।

Dr. Rama Rao: May I know the size of the main telescope with the diameter, that is going to be installed here and the expense proposed to be incurred for the whole station?

Shri Raj Bahadur: To begin with the recommendations of the Advisory Committee were that we should have two telescopes for Ujjain, one with a diameter of about 4½ to 5 inches, and another with 15 inches, the first one for demonstration purposes, and the second one for real observation purposes. Later on, in the year 1954 they have made a recommendation that the proposed observatory should be equipped with a 74 inches telescope, in order to enable visual as well as photographic observations.

योजना सेल्स

*१०७९. **श्री के० सी० सोधिया** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या तब से सभी रेल खंडों में योजना सैल्स स्थापित कर दिये गये हैं जैसा कि उन्होंने अपने १९५५–५६ के आय-व्ययक सम्बन्धी भाषण में कहा था ;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक खंड में उन में कितने पदाधिकारी और अन्य कर्मचारी काम पर लगाये गये हैं ;

(ग) उन पर कितना वार्षिक व्यय होगा ; और

(घ) क्या यह सैल्स स्थायी आधार पर स्थापित किये गये हैं ?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेशन) : (क) जी हां । दक्षिण-पूर्व रेलवे को छोड़ कर, जो १-८-५५ को बनायी गयी है ।